ईश्वरीय
खजाना
टीम
Presents

विशेष पुरुषार्थ

तीव्रता से आगे बढ़ने की श्रेष्ठ युक्तियां

यह श्रेष्ठ पुरुषार्थ की
भिन्न भिन्न युक्तियाँ
बाबा की रोज
जैसे मीठी थपकी है
अन्तर्मन में
जो समा ले इसे
जीवन में उसकी सफलता
शत प्रतिशत पक्की है...

आज की प्रेरणा

World Environment Day

प्रकृति आपकी या मेरी नहीं है, हमारी है। तो आएं, हम उस प्रकृति रूपी माँ की रक्षा करें जिसने आज तक हमारी पालना की है।

आज से हम अपने भविष्य को सुंदर बनाने के लिए प्रकृति की सुंदर पालना करें...

Today's Inspiration

It's not yours nor mine. It's ours. Protect your Mother Nature who has nourished you.

Today onwards let's nurture the nature so that we can have better future.

Brahmakumaris

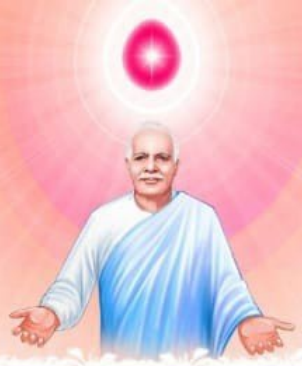

सम्पूर्णता की ओर

कर्म अर्थात व्यवहार, योग अर्थात परमार्थ। परमार्थ अर्थात परमपिता की सेवा अर्थ। तो व्यवहार और परमार्थ दोनों साथ-साथ रहे इसको कहा जाता है श्रीमत पर चलने वाले कर्मयोगी। मैं सिर्फ व्यवहारी नहीं लेकिन व्यवहारी और परमार्थी अर्थात जो कर रहा हूँ, वह ईश्वरीय सेव अर्थ कर रहा हूँ। इस स्मृति से एक ही तन द्वारा एक ही समय मन और धन की डबल कमाई होती रहेगी।

अगर हमारी भावना और कर्म सही है, तो कुछ भी साबित करने की ज़रूरत नहीं।

लोग क्या सोचते हैं, क्या बोलते हैं, इस बात से कभी डरना नहीं, वह अपने कर्म कर रहे हैं, हम अपने कर रहे हैं ।

ध्यान रखें सत्य को सिद्ध नहीं करना पड़ता, सत्य के पास खुद को प्रत्यक्ष करने की ताकत है।

अव्यक्त शिक्षाएँ

जैसे बाप विदेही, देह में आते हुए भी विदेही स्वरूप में, विदेहीपन का अनुभव कराते हैं। ऐसे आप सभी जीवन में रहते, देह में रहते विदेही आत्म-स्थिति में स्थित हो इस देह द्वारा करावनहार बन करके कर्म कराओ। यह देह करनहार है। आप देही करावनहार हो। इसी स्थिति को "विदेही स्थिति" कहते हैं। इसी को ही फ़ालो फ़ादर कहा जाता है। सदा फ़ालो फ़ादर करने के लिए अपनी बुद्धि को दो स्थितियों में स्थित रखो। बाप को फ़ालो करने की स्थिति है सदा अशरीरी भव। विदेही भव, निराकारी भव। दाता अर्थात् ब्रह्मा बाप को फ़ालो करने के लिए सदा अव्यक्त स्थिति भव, फ़रिश्ता स्वरूप भव, आकारी स्थिति भव। इन दोनों स्थिति में स्थित रहना फ़ालो फ़ादर करना है।

अ.बापदादा-19.12.85

हजारों वर्षों से प्रकृति हमें दे रही है... हमारी पालना कर रही है... अब समय है कि हम प्रकृति की पालना करें... अपने शुद्ध संकल्पों से प्रकृति को अपने मूल रूप अर्थात् सतोप्रधान बनने में उसकी मदद करें...।

स्वंय बदलो
यदि शांति चाहते हो तो
कभी दूसरों के बदलने की
अपेक्षा मत रखो।

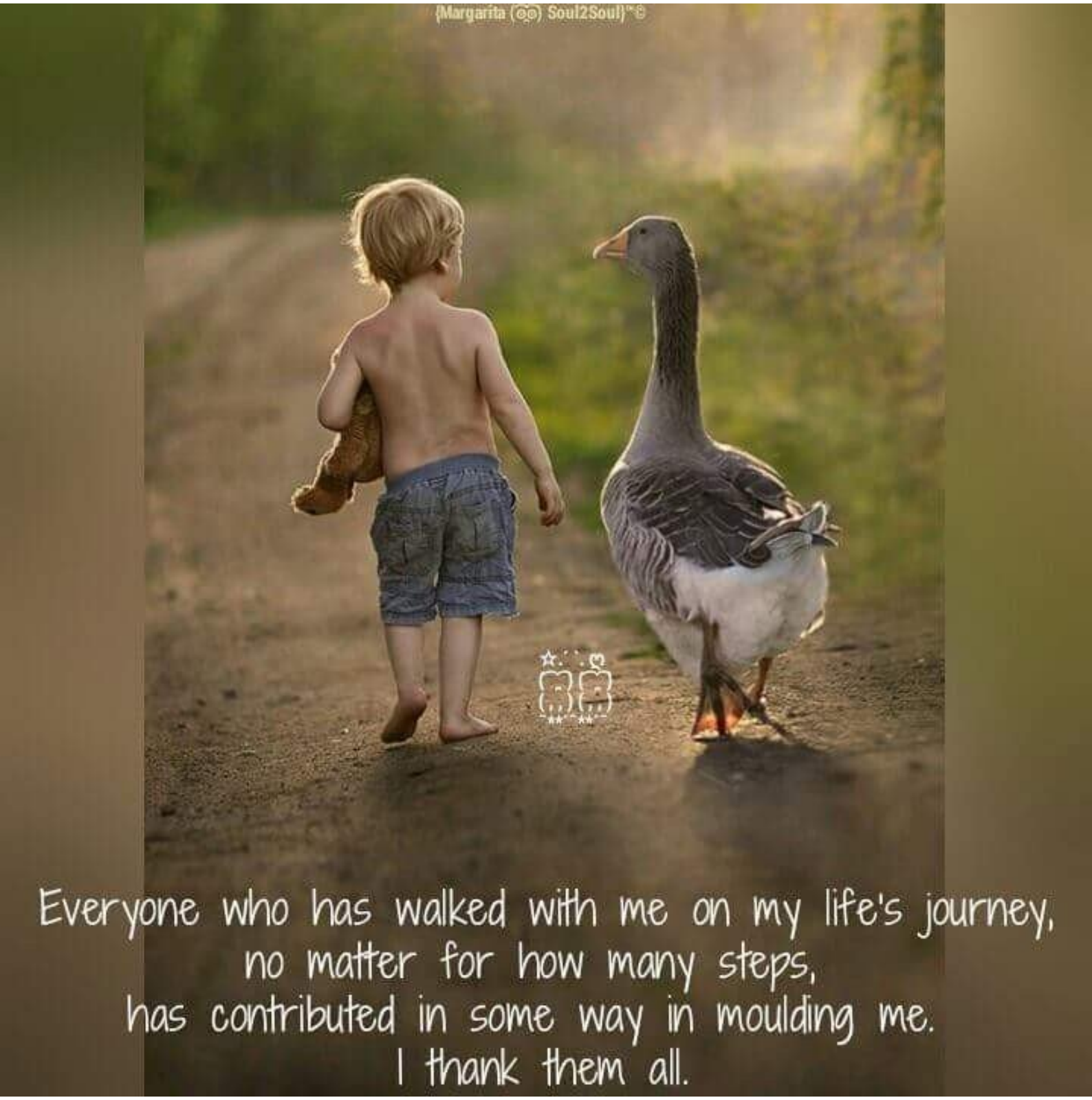
{Margarita (@@) Soul2Soul}*©
Everyone who has walked with me on my life's journey,
no matter for how many steps,
has contributed in some way in moulding me.
I thank them all.

Brahma Kumaris Websites

Main BK website www.shivbabas.org OR www.brahmakumari.org (by SBS team)

Int'l website: www.brahmakumaris.org

India website: www.brahmakumaris.com

BK Sustenance website: www.bksustenance.net

All Data hosted on www.bkdrluhar.com

Murli Websites: babamurli.net and madhubanmurli.org

www.omshantimusic.net

www.bkgoogle.org

www.bksewa.org

www.bkinfo.in

www.bk.ooo

www.brahmakumari.org/centres

NEW www.IshvariyaKhajana.BKhq.org